अध्याय

01

इस जल प्रलय में

© JCERT not to be republished

फणीश्वर नाथ रेणु

1. लेखक-परिचय

I. **जन्म**- 4 मार्च 1921, गाँव-औराही हिंगना, (ज़िला- पूर्णिया, बिहार)

II. **शिक्षा**- प्रारंभिक शिक्षा फारबिसगंज तथा अररिया में पूरी करने के बाद रेणु ने मैट्रिक नेपाल के विराटनगर से 'कोईराला परिवार' में रहकर की। इन्होंने इन्टरमीडिएट काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से 1942 में की, जिसके बाद वे स्वतंत्रता-संग्राम में कूद पड़े।

III. 1950 में इन्होंने नेपाली क्रांतिकारी आन्दोलन में भी हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरुप नेपाल में जनतंत्र की स्थापना हुई। पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ 'छात्र संघर्ष समिति' में सक्रिय रूप से भाग लिया और जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति में अहम भूमिका निभाई।

IV. 1952-53 में वे भीषण रूप से रोगग्रस्त रहे थे। जिसके बाद लेखन की ओर उनका झुकाव हुआ।

V. **निधन**- 11 अप्रैल 1977 (उम्र 56) में इनका निधन हो गया।

2. साहित्यिक-परिचय

I. 1952-53 से इन्होंने लेखन कार्य प्रारंभ किया।रेणु की कहानियों और उपन्यासों में उन्होंने आँचलिक जीवन के हर धुन, हर गंध, हर लय, हर ताल, हर सुर, हर सुंदरता और हर कुरूपता को शब्दों में बाँधने की सफल कोशिश की है।

इनके पात्र के प्रत्येक मनोवैज्ञानिक सोच का विवरण लुभावने तरीके से होता था। पात्रों का चरित्र-निर्माण काफी तेजी से होता था क्योंकि पात्र एक सामान्य-सरल मानव-मन के अतिरिक्त और कुछ नहीं होता था।

II. **भाषा-शैली-** इनकी लेखन-शैली वर्णनात्मक थी। इनकी भाषा-शैली में एक जादू सा असर है जो पाठकों को अपने साथ बाँध कर रखता है। रेणु एक अद्भुत किस्सागो थे और उनकी रचनाएँ पढ़ते हुए लगता है, मानों कोई कहानी सुना रहा हो। ग्राम्य-जीवन के लोकगीतों का उन्होंने अपने कथा साहित्य में सर्जनात्मक प्रयोग किया है। अपनी कृतियों में उन्होंने आँचलिक शब्दों का बहुत प्रयोग किया है।

इनका लेखन प्रेमचंद की सामाजिक यथार्थवादी परंपरा को आगे बढ़ाता है और इन्हें आजादी के बाद का प्रेमचंद की संज्ञा भी दी जाती है।

III. प्रमुख कृतियाँ -

उपन्यास -

- मैला आँचल 1954
- परती परिकथा 1957
- जूलूस
- दीर्घतपा 1964
- कितने चौराहे 1966
- कलंक मुक्ति 1972

© JCERT not to be republished

- पलटू बाबू रोड 1979

कथा-संग्रह:-

- ठुमरी, 1959
- आदिम रात्रि की महक, 1967
- अग्निखोर, 1973

संस्मरण:-

- ऋणजल-धनजल
- नेपाली क्रांतिकथा (रिपोर्ताज)

संस्मरण:-

- वनतुलसी की गंध
- श्रुत अश्रुत पूर्व

प्रसिद्ध कहानियाँ

- मारे गये गुलफाम (तीसरी कसम)
- आदिम रात्रि की महक
- लाल पान की बेगम
- ठेस

IV. **सम्मान**- उनके प्रथम उपन्यास 'मैला आँचल' के लिये उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

पाठ का सार

I. **'इस जल प्रलय में'** फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखित रिपोर्ताज है, जिसमें उन्होंने सन् 1967 ई0 में पटना में आई प्रलयंकारी बाढ़ का का वर्णन किया है।

II. लेखक का गाँव एक ऐसे क्षेत्र में था, जहाँ की विशाल और परती ज़मीन पर सावन-भादों के महीनों में पश्चिम, पूर्व और दक्षिण में बहने वाली कोसी, पनार, महानंदा और गंगा की बाढ़ से पीड़ित मानव व पशुओं का समूह शरण लेता था।

III. सन् 1967 में भयंकर बाढ़ आई थी, तब पूरे शहर और मुख्यमंत्री निवास तक के डूबने की खबरें सुनाई देती रहीं।

IV. लेखक बाढ़ के प्रभाव व प्रकोप को देखने के लिए अपने एक कवि मित्र के साथ निकले। उन्होंने बाढ़ को करीब से देखा और उसका चित्रण अपने इस **रिपोर्ताज** में किया है कि कैसे लोग एक दूसरे की सहायता कम करते हैं और तमाशे ज़्यादा देखते हैं।

शब्दार्थ-

पनाह- शरण, आड़

परती- वह ज़मीन जो जोती-बोई न जाती हो

विभीषिका- भयंकरता

अंदाज़ा- अनुमान

ब्वाय स्काउट- आमतौर पर 11 से 17 वर्ष की आयु के लड़कों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्काउटिंग कार्यक्रमों (जैसे अमेरिका के बॉय स्काउट्स) में से किसी का सदस्य। बालचर।

रिलीफ़वर्कर- राहत कार्य करने वाला

भंसने- विस्फोटें

प्लावित- जिस पर बाढ़ का पानी चढ़ गया हो, जो जल में डूब गया हो

अबले- अब तक

अनवरत- निरंतर, लगातार

© JCERT not to be republished

अनर्गल- बेतुकी, विचारहीन

अनगढ़- बेडौल, टेढ़ा-मेढ़ा

स्वगतोक्ति- अपने आप में कुछ बोलना

अनुनय- विनती

अस्फुट- अस्पष्ट

गैरिक- गेरुए रंग का

आवरण- परदा, ढक्कन

आच्छादित- ढका हुआ

शनैः-शनैः- धीरे-धीरे

उत्कर्ण- सुनने को उत्सुक

आसन्न- पास आया हुआ

आदमकद- आदमी के कद का

मुहर्रमी- दुःख में डूबा, शोकसूचक

धनुष्कोटि- एक स्थान का नाम

माकूल- उचित, ठीक

बहरहाल- जैसे भी हो।

प्रतिध्वनि- तल से परावर्तित होकर सुनाई पड़नेवाली ध्वनि—तरंगें, गूँज

गृहस्वामिनी- पत्नी, गृहिणी।

मचान- बाँस आदि की सहायता से बनाया गया ऊँचा आसन, मंच।

मुसहरी- एक जाति जो दोने, पत्तलें बनाने का काम

बलवाही- एक प्रकार का लोकनृत्य

एस्प्रेसो- एस्प्रेसो एक प्रकार की कॉफी है। विशेष रूप से, यह कॉफी बनाने की एक विधि है जो एक छोटा, केंद्रित शॉट बनाने के लिए उच्च पानी के दबाव और बारीक पिसी हुई बीन्स का उपयोग करती है।

मनोयोग- मन को केन्द्रित कर, लगन

लथपथ- भीगा हुआ, तर

एक्ज़िबिशनिज़्म- प्रदर्शनवाद, नुमाइशबाजी, अतिरंजित व्यवहार

आसन्नप्रसवा- जिसे आजकल में ही बच्चा होने वाला हो

© JCERT not to be republished

प्रश्न–अभ्यास

1. बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस तरह की तैयारी करने लगे?

उत्तर- शहर में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने सामान को नीचे वाली मंज़िल से ऊपर वाली मंज़िल पर ले जा रहे थे। बाज़ार बंद हो गई थी तथा खरीदना बेचना भी बंद हो चुका था। सारे दुकानदार अपना सामान टेंपो रिक्शा आदि में लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा रहे थे। लोग घरों में खाने का सामान, मोमबत्ती, दवाइयाँ, केरोसिन आदि इकट्ठा कर रहे थे।

2. बाढ़ की सही जानकारी लेने और बाढ़ का रूप देखने के लिए लेखक क्यों उत्सुक था?

उत्तर- लेखक ने बाढ़ के बारे में सुना तो था परंतु कभी देखा नहीं था। इस वजह से वह स्वयं अपनी आँखों से बाढ़ के पानी शहर में आते हुए देखने को उत्सुक था, क्योंकि ऐसी अवसर पर मीडिया द्वारा तमाम तरह के भ्रम फैलायी जाती है। सरकारी आँकड़े, मीडिया द्वारा बतायी गई आँकड़े व वास्तविक आँकड़ों में बहुत फर्क होता है।

3. सबकी ज़बान पर एक ही जिज्ञासा— 'पानी कहाँ तक आ गया है?'- इस कथन से जनसमूह की कौन-सी भावनाएँ व्यक्त होती हैं ?

उत्तर- अधिकांश लोगों के मन में सिर्फ एक ही प्रश्न था कि बाढ़ का पानी कहाँ तक पहुँचा तथा कहाँ-कहाँ के और कौन-कौन से इलाकों को वह अपनी चपेट में ले चुका है। ऐसे समय में लोग मदद कम और मज़ा ज़्यादा लेते हैं। लोग बाढ़ की जानकारी प्राप्त करने के लिए पैदल कुछ जगह पर जा रहे थे, जहाँ से बाढ़ आ रही थी। वे लोग बाढ़ का नज़ारा देखने जा रहे थे न कि मदद करने।

4. 'मृत्यु का तरल दूत' किसे कहा गया है? और क्यों?

उत्तर- बाढ़ के कारण लगातार बहते हुए जल को ही 'मृत्यु का तरल दूत' कहा गया है क्योंकि बाढ़ के पानी ने अनेक जीव-जंतु तथा पेड़-पौधों को अपनी चपेट में ले लिया था। जिनसे कई लोगों की मृत्यु हो गई थी।

5. आपदाओं से निपटने के लिए अपनी तरफ़ से कुछ सुझाव दीजिए?

उत्तर- आपदाओं से निपटने के लिए हमें मौसम की जानकारी रखना आवश्यक है ताकि सतर्क रह सकें। जैसे ही बाढ़ की आशंका हो, हमें खाने-पीने की सामग्री और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री को एकत्रित करना चाहिए। डॉक्टर की सुविधा, दवाइयाँ, राहत सामग्री आदि तैयार रखना चाहिए। बचाव कार्यों के लिए हमें हमेशा तत्पर रहना चाहिए तथा विभिन्न संस्थाओं से संबंध रखना चाहिए ताकि जरूरत के वक्त उन संस्थाओं से सम्पर्क किया जा सके।

6. ईह! जब दानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उलटकर देखने भी नहीं गए अब बूझो! इस कथन द्वारा लोगों की किस मानसिकता पर चोट की गई है?

उत्तर- इस कथन से लोगों की इस मानसिकता का पता चलता है कि लोग संकट की घड़ी में भी एक-दूसरे की सहायता के लिए आगे नहीं आते। सबको अपनी ही चिंता होती है। कैसे लोग अपने स्वार्थ में अंधे हो गए हैं।

7. खरीद-बिक्री बंद हो चुकने पर भी पान की बिक्री अचानक क्यों बढ़ गई थी?

उत्तर- खरीद-बिक्री बंद हो जाने पर भी पान की बिक्री अचानक बढ़ गई क्योंकि लोग बाढ़ को देखने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। वे बाढ़ से भयभीत नहीं थे, बल्कि हँसी-खुशी बाढ़ को देखने के लिए एकत्रित थे। ऐसे समय में पान खाना उनके लिए समय गुजारने का सबसे अच्छा तरीक़ा था।

© JCERT not to be republished

8. जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घुसने की संभावना है तो उसने क्या-क्या प्रबंध किए?

उत्तर- जब लेखक को यह एहसास हुआ कि उसके इलाके पर भी बाढ़ का पानी घुसने की संभावना है तो उन्होंने आवश्यकता की चीजें इकट्ठा करना शुरू किया, जैसे-मोमबत्ती, दवाइयाँ, खाने-पीने का सामान आदि। ताकि बाढ़ से घर डूब जाने पर भी बहुत दिन तक गुज़ारा किया जा सके। उन्होंने बाढ़ के आने की वजह से छत पर और सुरक्षा का प्रबंध कर लिया।

9. बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कौन-कौन सी बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है?

उत्तर- बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में हैजा, मलेरिया, टाइफाइड, आदि बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है। बाढ़ में गंदे पानी का प्रयोग करना पड़ जाता है, जिससे उक्त बीमारियाँ हो सकती हैं। क्योंकि ये सभी बीमारियाँ या तो गंदे पानी से होती हैं या उनके कारण मच्छर आदि के पनपने के कारण।

10. नौजवान के पानी में उतरते ही कुत्ता भी पानी में कूद गया। दोनों ने किन भावनाओं के वशीभूत होकर ऐसा किया?

उत्तर- नौजवान और कुत्ते में बहुत गहरी मित्रता थी। दोनों में मानव और पशु के भेदभाव भी नहीं था। एक दूसरे के बिना रह नहीं सकता था। इस कारण नौजवान के साथ कुत्ता भी पानी में कूद गया।

11. 'अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी, वह भी चोरी चली गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं- 'मेरे पास।'- मूवी कैमरा, टेप रिकॉर्डर आदि का तीव्र उत्कंठा होते हुए भी लेखक ने अंत में उपर्युक्त कथन क्यों कहा?

उत्तर- घटना को लेखक कैमरे में कैद करना चाहते हैं पर उनके पास कैमरा नहीं था। वह चोरी हो गई थी। लेखक ने सोचा कि उसको कलम के सहारे कैद कर लूँ, लेकिन वह भी चोरी हो गई थी। लेखक को कैमरा और कलम नहीं होने पर दुःख तो हुआ, परन्तु अपने मन को तसल्ली देने के लिए कहा कि अच्छा है कि मैं इस घटना को कैद नहीं कर पा रहा, नहीं तो बाद में मुझे इसके चित्र को देखकर या इसके बारे में पढ़कर दुख ही होगा।

12. आपने भी देखा होगा कि मीडिया द्वारा प्रस्तुत की गई घटनाएँ कई बार समस्याएँ बन जाती हैं, ऐसी किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- जहाँ मीडिया समाज को जागृत करने का प्रयास करती है, वहीं कुछ समस्याओं को बढ़ा भी देती है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है बाबरी मस्जिद विध्वंश की घटना। इस घटना को मीडिया ने इतना बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया कि इसके परिणामस्वरूप पूरे देश के लोग साम्प्रदायिक दंगों की चपेट में आ गए थे।

13. अपनी देखी-सुनी किसी आपदा का वर्णन कीजिए

उत्तर-विद्यार्थी स्वयं करें।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

1. "इस जल प्रलय में" पाठ के लेखक कौन है?

A. महादेवी वर्मा

B. फणीश्वरनाथ रेणु जी

C. भीष्म साहनी

D. प्रेमचंद

उत्तर-B. फणीश्वरनाथ रेणु जी

2. "इस जल प्रलय में"- गद्द्य की किस विधा में लिखा गया हैं ?

A. कहानी B. रिपोर्ताज

C. जीवनी D. आत्मकथा

उत्तर-B. रिपोर्ताज

3. "इस जल प्रलय में" रिपोर्ताज में लेखक ने किसका आँखों देखा हाल बयान किया है?

A. इलाहाबाद में आयी भयंकर बाढ़ का

B. पटना में आयी भयंकर बाढ़ का

C. बनारस में आयी भयंकर बाढ़ का

D. दिल्ली में आयी भयंकर बाढ़ का

उत्तर-B. पटना में आयी भयंकर बाढ़ का

4. विशाल और परती क्षेत्र में जन्म लेने के कारण लेखक को क्या नहीं आता था?

A. दौड़ना B. तैरना

C. शतरंज D. क्रिकेट

उत्तर-B. तैरना

5. परती भूमि किसे कहते हैं ?

A. वह भूमि जिसे एक साल खेती करने के बाद दो-तीन साल के लिए खाली छोड़ दिया जाता है।

B. वह भूमि जिस पर केवल एक फ़सल होती है।

C. वह भूमि जिसमें एक साल में कई बार खेती होती है

D. वह भूमि जिस पर केवल गेहूँ की खेती होती है

उत्तर-A. वह भूमि जिसे एक साल खेती करने के बाद दो-तीन साल के लिए खाली छोड़ दिया जाता है।

6. लेखक कितने वर्ष की उम्र से बाढ़ पीड़ितों के लिए रिलीफवर्कर के रूप में कार्य करते आ रहे थे

A. 20 वर्ष B. 5 वर्ष

C. 10 वर्ष की उम्र से

D. 15 वर्ष

उत्तर-C. 10 वर्ष की उम्र से

7. लेखक ने कौन सी कक्षा में बाढ़ पर एक लेख लिखकर पहला पुरस्कार हासिल किया?

A. 10वीं B. 5वीं

C. 12 वीं D. स्नातक

उत्तर-A. 10वीं

© JCERT not to be republished

8. लेखक ने बाढ़ की विभीषिका को पहली बार खुद अपनी आँखों से कब देखा और झेला?

A. सन् 1987 B. सन् 1967

C. सन् 1997 D. सन् 1965

उत्तर-B. सन् 1967

9. 18 घंटे की लगातार बारिश के कारण किस नदी का जलस्तर बढ़ गया था ?

A. पुनपुन नदी B. गंगा नदी

C. यमुना नदी D. रावी नदी

उत्तर- A. पुनपुन नदी

10. पटना शहर में दुबारा कब बाढ़ आयी ?

A. सन् 1987 B. सन् 1967

C. सन् 1975 में D. सन् 1965

उत्तर-C. सन् 1975 में

11. गोलघर तक बाढ़ के पहुँचने की सूचना लेखक को किस भाषा में मिली?

A. बंगला भाषा B. अंग्रेज़ी भाषा

C. उड़िया भाषा D. भोजपुरी भाषा

उत्तर-A. बंगला भाषा

12. गोलघर बाढ़ के पानी में कब डूबा ?

A. सुबह

B. रात को

C. शाम के वक्त

D. दोपहर के वक्त

उत्तर-D.दोपहर के वक्त

13. बाढ़ के पानी में कॉफी हाउस के डूबने की खबर लेखक को किसने दी?

A. एक नाविक ने

B. एक रिक्शेवाले ने

C. एक बस कंडक्टर ने

D. उनके मित्र ने

उत्तर-B. एक रिक्शेवाले ने

14. कॉफी हाउस देखने लेखक कैसे पहुँचे?

A. एक बस से

B. एक रिक्शे से

C. एक कार से

D. पैदल

उत्तर-B.एक रिक्शे से

15. लेखक कॉफी हाउस किसके साथ गए?

A. अपने एक परिचित के साथ

B. अपने एक कवि मित्र के साथ

C. अपने पड़ोसी के साथ

D. अपने एक रिश्तेदार के साथ

उत्तर-B. अपने एक कवि मित्र के साथ

16. लेखक ने "मृत्यु का तरल दूत" किसे कहा?

A. समुद्र को

B. पटना शहर को

C. बाढ़ के पानी को

© JCERT not to be republished

D. नदी को

उत्तर-C. बाढ़ के पानी को

17. लोग कहाँ निश्चिंत खड़े होकर बाढ़ से संबंधित समाचार सुन रहे थे ?

A. गलियों पर

B. चौराहों पर

C. पान की दुकानों पर

D. सड़कों पर

उत्तर-C. पान की दुकानों पर

18. "लेखक ने मैगजीन व पत्रिकाएँ कहाँ से खरीदी ?

A. बाज़ार से

B. राजेंद्र नगर चौराहे से

C. पटना के प्रसिद्ध किताब की दुकान से

D. नगर पालिका से

उत्तर-B. राजेंद्र नगर चौराहे से

19. बाढ़ से संबंधित चेतावनी कौन दे रहा था?

A. जनसंपर्क विभाग की गाड़ी

B. समाज कल्याण विभाग की गाड़ी

C. लोक निर्माण विभाग की गाड़ी

D. स्वास्थ्य विभाग की गाड़ी

उत्तर-A. जनसंपर्क विभाग की गाड़ी

20. सन 1947 में बाढ़ कहाँ आई?

A. मनिहारी में

B. नालंदा में

C. भागलपुर में

D. पूर्णिया में

उत्तर-A. मनिहारी में

21. गंगा नदी में आयी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में लेखक किसके साथ नाव से गये थे?

A. अपने पड़ोसी स्व. रमानाथ भादुड़ी जी के साथ

B. अपने गुरुजी स्व. सतीनाथ भादुड़ी जी के साथ

C. अपने एक कवि मित्र के साथ

D. अपने एक परिचित के साथ

उत्तर-B. अपने गुरुजी स्व. सतीनाथ भादुड़ी जी के साथ

22. लेखक डाक्टर साहब के साथ कहाँ से बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप ले जा रहे थे?

A. "दानापुर थाना" के एक गाँव से

B. "वापसी थाना" के एक गाँव से

C. "विक्रम थाना" के एक गाँव से

D. "गोपालपुर थाना" के एक गाँव से

उत्तर- B. "वापसी थाना" के एक गाँव से

23. "मुसहरे" कौन होते हैं ?

A. मिट्टी के बर्तन बनाने वाले लोग

B. दोना पत्तलें बनाने वाले लोग

C. जंगल से तेंदुपत्ता तोड़कर बेचने वाले लोग

D. गाय चराने वाले लोग

उत्तर-B. दोना पत्तलें बनाने वाले लोग

© JCERT not to be republished

24. लेखक जब मुसहरों की बस्ती पर पहुँचे तो वहाँ क्या चल रही थी ?

A. "राउत" नाच

B. "करमाँ " नाच

C. "नौटंकी" नाच

D. "बलवाही" नाच

उत्तर-D. "बलवाही" नाच

25. "गैरिक" शब्द का क्या अर्थ है ?

A. काला रंग

B. लाल रंग

C. गेरुआ रंग

D. बैंगनी रंग

उत्तर-C. गेरुआ रंग

26. सिमरवनी-शकरपुर में बाढ़ कब आयी ?

A. सन् 1937 में

B. सन् 1947 में

C. सन् 1957 में

D. सन् 1987 में

उत्तर-A. सन् 1937 में

27. "आसन्न प्रसवा" का क्या अर्थ है?

A. जिस महिला का कुछ ही दिन पहले बच्चा हुआ हो

B. जिस महिला का कुछ ही दिन के भीतर बच्चा होने वाला हो

C. जिस महिला का कुछ महीने बाद बच्चा होने वाला हो

D. जिस महिला का बच्चा न हो

उत्तर-B. जिस महिला का कुछ ही दिन के भीतर बच्चा होने वाला हो

28. गाँव के लोग नाव के अभाव में कौन से पौधे से भेला या नाव बनाकर काम चला. रहे थे?

A. आम का

B. सागौन का

C. शीशम का

D. केले का

उत्तर- D. केले का

© JCERT not to be republished